अनुक्रमांक/Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।

Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : 8

Total No. of Questions : 8

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

No. of Printed Pages : 8

M-2023/GS-V

सामान्य हिन्दी एवं व्याकरण
GENERAL HINDI AND GRAMMAR

पाँचवाँ प्रश्न–पत्र

FIFTH PAPER

समय : 03 घंटे]

Time : 03 Hours]

[पूर्णांक : 200

[Total Marks : 200

प्रश्न : 1. इस प्रश्न में **25** लघुत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम **20-25** शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न **03** (तीन) अंकों का है। **(3×25=75)**

प्रश्न : (1.1) दीर्घ संधि की परिभाषा दीजिए।

प्रश्न : (1.2) व्यंजन संधि किसे कहते हैं?

प्रश्न : (1.3) 'समस्त पद' किसे कहते हैं?

प्रश्न : (1.4) वृद्धि संधि का नियम बताइए।

प्रश्न : (1.5) तद्भव शब्द किसे कहते हैं?

https://www.pyqonline.com

प्रश्न : (1.6) त्रुटिपूरक या हंसपद चिह्न का प्रयोग कब होता है?

प्रश्न : (1.7) निर्देशक चिह्न और योजक चिह्न में क्या अंतर है?

प्रश्न : (1.8) पल्लवन से क्या आशय है?

प्रश्न : (1.9) संक्षेपण से आपका क्या अभिप्राय है?

प्रश्न : (1.10) विसर्ग संधि की परिभाषा दीजिए।

प्रश्न : (1.11) अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग करने से क्या लाभ है?

प्रश्न : (1.12) 'यण' संधि को एक उदाहरण सहित समझाइए।

प्रश्न : (1.13) भाषा में मुहावरों का प्रयोग क्यों किया जाता है?

प्रश्न : (1.14) 'कहावतों' से क्या अभिप्राय है?

प्रश्न : (1.15) अनुवाद के संदर्भ में 'स्रोत भाषा' एवं 'लक्ष्य भाषा' से क्या आशय है?

प्रश्न : (1.16) 'गुण' संधि को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न : (1.17) विलोम शब्द किसे कहते हैं?

प्रश्न : (1.18) 'लाटानुप्रास' को उदाहरण देकर समझाइए।

प्रश्न : (1.19) अनुवाद क्या है?

प्रश्न : (1.20) अलंकार से क्या तात्पर्य है?

प्रश्न : (1.21) विराम चिह्न क्यों आवश्यक है?

प्रश्न : (1.22) उद्धरण चिह्न कब लगाया जाता है?

प्रश्न : (1.23) 'लाघव' चिह्न कहाँ लगता है?

https://www.pyqonline.com

प्रश्न : (1.24) 'तत्सम' शब्द किसे कहते हैं?

प्रश्न : (1.25) पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग क्यों किया जाता है?

प्रश्न : 2. प्रश्न अलंकारों से संबंधित है।

प्रश्न : 2.1 शब्दालंकार : **(1×5=5)**

प्रश्न : 2.1 (1) अनुप्रास अलंकार का लक्षण बताइए। एक उदाहरण भी दीजिए।

प्रश्न : 2.1 (2) "जेते तुम तारे, तेते नभ में न तारे हैं", इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

प्रश्न : 2.1 (3) 'छेकानुप्रास' को समझाइए।

प्रश्न : 2.1 (4) 'यमक' अलंकार किसे कहते हैं?

प्रश्न : 2.1 (5) श्लेष अलंकार की क्या विशेषता है?

प्रश्न : 2. प्रश्न अलंकारों से संबंधित है।

प्रश्न : 2.2 अर्थालंकार : **(1×5=5)**

प्रश्न : 2.2 (1) उपमा अलंकार की विशेषता बताइए।

प्रश्न : 2.2 (2) पूर्णोपमा अलंकार का लक्षण बताइए।

प्रश्न : 2.2 (3) उत्प्रेक्षा अलंकार किसे कहते हैं?

प्रश्न : 2.2 (4) "उदित उदयगिरि-मंच पर रघुवर-बाल पतंग।
विकसे संत सरोजवन, हरषै लोचन भृंग।।"
इन पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?

प्रश्न : 2.2 (5) रूपक अलंकार की विशेषता बताइए।

प्रश्न : 3. वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

प्रश्न : 3.1 निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। **प्रत्येक प्रश्न 04 (चार)** अंकों का है। **(4×5=20)**

प्रश्न : 3.1 (1) प्रशासनिक अनुमोदन की आवश्यकता है।

https://www.pyqonline.com

प्रश्न : 3.1 (2) कृपया आदेश की पुष्टि करें।

प्रश्न : 3.1 (3) अतिरिक्त ड्यूटी का भत्ता कितना है?

प्रश्न : 3.1 (4) यथा प्रस्तावित कार्रवाई की जाए।

प्रश्न : 3.1 (5) जब तक अंतिम निर्णय न हो जाए, इसे स्थगित रखें।

प्रश्न : 3. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

प्रश्न : 3.2 निम्नलिखित वाक्यों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए। **प्रत्येक** प्रश्न **03 (तीन)** अंकों का है। **(3×5=15)**

प्रश्न : 3.2 (1) In anticipation of your approval.

प्रश्न : 3.2 (2) Please treat this as strictly confidential.

प्रश्न : 3.2 (3) For sympathetic consideration.

प्रश्न : 3.2 (4) Put up comparative statement.

प्रश्न : 3.2 (5) A brief resume of the case is given in the ensuing paragraphs.

प्रश्न : 4. इस प्रश्न में हिन्दी व्याकरण से संबंधित (संधि, समास, विराम चिह्न इत्यादि) प्रश्न हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं। **प्रत्येक** प्रश्न **02 (दो)** अंकों का है। **(2×10=20)**

प्रश्न : (4.1) 'मतैक्य' का संधि विच्छेद कीजिए।

प्रश्न : (4.2) 'देशभक्ति' में कौन-सा समास है?

प्रश्न : (4.3) 'भरण' का संधि विच्छेद कीजिए।

प्रश्न : (4.4) 'मनमौजी' शब्द में तत्पुरूष समास का कौन-सा भेद है?

https://www.pyqonline.com

प्रश्न : (4.5) 'नीरस' शब्द में कौन-सी संधि है?

प्रश्न : (4.6) 'उसने पढ़ लिया; परीक्षा भी दे आया परंतु आगे क्या होगा; नहीं जानता।' वाक्य में प्रयुक्त विराम चिह्नों के नाम बताइए।

प्रश्न : (4.7) (!) कोष्ठक में बद्ध इस चिह्न को क्या कहते हैं?

प्रश्न : (4.8) 'गै + अक' की संधि कीजिए तथा संधि का नाम बताइए।

प्रश्न : (4.9) 'वधू + उत्सव' की संधि कीजिए तथा संधि का नाम भी बताइए।

प्रश्न : (4.10) 'दहीबड़ा' का समास विग्रह कीजिए।

प्रश्न : 5. इस प्रश्न में प्रारंभिक व्याकरण, शब्दावलियों से संबंधित **निम्नलिखित 10** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रत्येक** प्रश्न **02** (दो) अंकों का है। **(2×10=20)**

S. No.	प्रश्न
1	ARBITRATOR का हिंदी पारिभाषिक शब्द लिखिए।
2	'पृष्ठांकन' शब्द का अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द लिखिए।
3	'आँखों में सरसों फूलना' मुहावरे का अर्थ लिखिए।
4	'हाथ सुरमनी बगल कतरनी' कहावत का अर्थ लिखिए।
5	'अनुमत' शब्द का विलोम क्या होगा?
6	'जिसका अनुभव इंद्रियों द्वारा न हो सके' वाक्य के लिए एक शब्द लिखिए।
7	'कुम्भकार' शब्द का तद्भव रूप लिखिए।
8	'तालाब' शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए।
9	'इच्छा' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।
10	'पत्थर' शब्द का तत्सम रूप लिखिए।

https://www.pyqonline.com

प्रश्न : 6. निम्नलिखित में से किसी **एक गद्यांश** के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अभ्यर्थी जिस गद्यांश का उत्तर लिख रहे हैं, उसका स्पष्ट शीर्षक/क्रमांक का उल्लेख करें। प्रत्येक प्रश्न **04 (चार)** अंकों का है। **(4×5=20)**

गद्यांश :

(अ) देश के अगणित मनुष्य यदि अज्ञान के अंधकार में डूबे रहें, यदि मनुष्यत्व–विकास के सभी संभव पथ अवरूद्ध हो जाएँ, यदि अशिक्षा, अन्याय, अपमान तथा शोषण से जीवन संकुचित होता रहे, तब हमारा सब कुछ व्यर्थ हो जाएगा। ज्ञान–विज्ञान का प्रकाशमय जगत सदा के लिए हमसे दूर हो जाएगा। किसी देश की उन्नति के मूल में उस देश की जनता की जागरूकता ही मुख्यतः हुआ करती है। वस्तुतः मानव के अंतर में अमित शक्ति सुप्त रहती है। जाग्रत रूप में यही शक्ति देश को आगे बढ़ाती है और यह शक्ति जाग्रत होती है, शिक्षा के द्वारा नवीन स्फूर्ति से तब जीवन स्पंदित होने लगता है। निरक्षरता का कलंक मिट जाता है। अंतर–स्थिर विपुल संभावनाओं के द्वार खुल जाते हैं।

प्रश्न :

(i) सब कुछ व्यर्थ हो जाने के मूल में क्या कारण है?

(ii) अमित शक्ति देश को कैसे अग्रणी बना सकती है?

(iii) "विपुल संभावनाओं के द्वार खुल जाते हैं।" वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iv) किसी देश की उन्नति कैसे संभव है? https://www.pyqonline.com

(v) यहाँ कलंक किसे माना गया है?

(अथवा)

(ब) हमारे विशाल देश में हिमालय की अनंत हिमराशि ने जिन वारिधाराओं को जन्म दिया है, उनमें उत्तरापथ को सींचने वाली गंगा और यमुना नाम की नदियाँ जीवन की धमनियों की तरह हमारे ऐतिहासिक चैतन्य की साक्षी रही हैं। उनकी गोद में हमारे पूर्वपुरुषों ने सभ्यता के प्रांगण में अनेक नए खेल खेले। उनके तटों पर जीवन का जो प्रवाह प्रचलित हुआ, वह आज तक जीवंत है। भारत–भूमि हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं — यह एक सच्चाई हमारे रोम–रोम में बिंधी हुई है। नदियों की अंतर्वेदी में पनपने वाले आदि युग के जीवन पर हम जितना अधिक विचार करते हैं, हमको अपने विकास और वृद्धि की सनातन जड़ों का पृथ्वी के साथ संबंध उतना ही अधिक घनिष्ठ जान पड़ता है। जब तक भारतीय जाति का जीवन भारत–भूमि के साथ बद्धमूल है, जब तक हमारे सांस्कृतिक पर्वों पर लाखों मनुष्य नदियों और जलाशयों के तटों पर एकत्र होते हैं, जब तक देश के संकटों में बलिदान की भावना प्रत्येक मन में जागती है, जब तक एक देश के नागरिक के रूप में हमारी पहचान जीवित है, तब तक हमारे आंतरिक गठन और हमारे अस्तित्व को सकुशल समझना चाहिए।

https://www.pyqonline.com

प्रश्न :

(i) आदि युग में नदियों का क्या महत्व रहा है?

(ii) 'भारत भूमि हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं' से क्या आशय है?

(iii) विकास और वृद्धि का पृथ्वी के साथ क्या संबंध है?

(iv) गंगा और यमुना नदियाँ किसकी साक्षी रही हैं?

(v) हमारी आंतरिक गठन की सुदृढ़ता के क्या लक्षण हैं?

प्रश्न : 7. रेखांकित अथवा दी गई पंक्तियों का पल्लवन अथवा भाव पल्लवन कीजिए। अभ्यर्थी जिस प्रश्न का उत्तर दे रहे हैं, उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अनिवार्यतः करें। प्रश्न **10** (दस) अंकों का है। **(10×1=10)**

प्रश्न : 7. (अ) सबै दिन होत न एक समान।

(अथवा)

प्रश्न : 7. (ब) 'विज्ञान मनुष्य को सभ्यता की सीढ़ी पर चढ़ाता है और साहित्य उसे मानवता के उच्च शिखर पर'।

प्रश्न : 8. किसी एक गद्यांश का एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए। अभ्यर्थी जिस गद्यांश का संक्षेपण कर रहे हैं, उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अनिवार्यतः करें। प्रश्न **10 (दस)** अंकों का है। **(10×1=10)**

प्रश्न : 8. (अ) गुरू से ज्ञान प्राप्त करने के केवल तीन उपाय हैं; नम्रता, जिज्ञासा और सेवा। इनमें नम्रता का स्थान प्रथम है। अतः एक आदर्श विद्यार्थी को विनम्र होना चाहिए। नम्रता के साथ-साथ उसे अनुशासनप्रिय होना चाहिए। जो विद्यार्थी अनुशासनहीन होते हैं, वे अपने देश, अपनी जाति, अपने माता-पिता, अपने और कॉलेज के लिए अप्रतिष्ठाकारक होते हैं। अनुशासनहीन छात्र का न तो मानसिक विकास हो पाता है और न ही बौद्धिक विकास। वह उन गुणों से सदैव-सदैव के लिए वंचित हो जाता है, जो मनुष्य को प्रतिष्ठा के अवसर प्रदान करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अनुशासन का विशेष महत्व है। अनुशासन से ही छात्र आदर्श विद्यार्थी की श्रेणी में आ सकता है। आज के युग का छात्र अनुशासनहीनता दिखाने में अपना गौरव समझता है, इसीलिए देश में सभ्य नागरिकों का अभाव-सा होता चला जा रहा है, क्योंकि आज का विद्यार्थी ही कल का नागरिक बनता है।

https://www.pyqonline.com

(अथवा)

प्रश्न : 8. (ब) लोभ चाहे जिस वस्तु का हो, जब वह बहुत बढ़ जाता है तब उस वस्तु की प्राप्ति, सान्निध्य या उपयोग से जी नहीं भरता। मनुष्य चाहता है कि वह बार-बार मिले या बराबर मिलती रहे। धन का लोभ जब रोग होकर चित्त में घर कर लेता है, तब प्राप्ति होने पर भी, और प्राप्ति की इच्छा बराबर बनी रहती है। जिससे मनुष्य सदा आतुर और प्राप्ति के आनन्द से विमुख रहता है। उसका अन्तःकरण सदा अभावग्रस्त रहता है। उसके लिए जो है, वह भी नहीं है। असन्तोष या अभाव कल्पना से उत्पन्न दुःख है। अतः जिस किसी में यह काल्पनिक अभाव या असंतोष रहेगा, उसका सुख से नाता सब दिन के लिए टूट जाता है।

★★★

SEAL

https://www.pyqonline.com